

अनौपचारिकसंस्कृतशिक्षणम्
**Non-Formal Sanskrit
Education**

मार्गदर्शिका
Guideline

2022 – 23



केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः

(संसदः अधिनियमेन स्थापितः भारतसरकारस्य
शिक्षामन्त्रालयाधीनः)

नवदेहली

Central Sanskrit University

(Established by an Act of Parliament Under Ministry of
Education, Govt. of India)

New Delhi

प्रकाशक
वुलसचिव
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नवदेहली-110058
ईपीएबीएक्स : 28524993, 28521994, 28524995
वेबसाईट : www.sanskrit.nic.in

सम्पादक
डा. रत्नमोहन झा
राष्ट्रीय संयोजक, अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई देहली
अक्षरसंयोजक
चन्दनसिंह रावत
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जनकपुरी नई देहली

© केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

संस्करण : 2022

पुरोवाक्

भारतीय ज्ञान-विज्ञान तथा दर्शन की शास्त्रीय परम्परा को चिरकाल से पुष्ट करने वाली संस्कृत भाषा के अध्ययन हेतु सभी वर्गों के लोगों के द्वारा आकाङ्क्षा प्रकट की जाती रही है। परन्तु औपचारिक शिक्षाव्यवस्था तथा कार्यालयीय नियमों/बन्धनों के कारण उत्सुक व्यक्तियों का भी संस्कृत का अध्ययन सम्भव नहीं हो पाता है। अत एव जन आकाङ्क्षाओं की पूर्ति हेतु भारत शासन के मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के तत्त्वावधान में सञ्चालित केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के द्वारा देश के उत्कृष्ट अभियांत्रिक, चिकीत्सकीय, एवं संगणकीय शिक्षा संस्थानों, विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों में “अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों” का सञ्चालन किया जा रहा है। इन केन्द्रों में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय से प्रकाशित सचित्र पाठ्यसामग्रियों के माध्यम से प्रशिक्षित शिक्षकों के द्वारा सरलतम पद्धति से संस्कृत भाषा सिखाई जाती है।

संस्कृत भाषा/शास्त्रों में सन्निहित ज्ञान-विज्ञान के उद्घाटन, भारतीय संस्कृति के अवगमन, तथा राष्ट्रिय एवं उत्कृष्ट मानवीय मूल्यों के समुन्नयन में यह केन्द्र अवश्य ही उपयोगी सिद्ध होगा।

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के सञ्चालनार्थ विशेष प्रयत्न करने वाले सभी अधिकारियों का मैं हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ।

(प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी)
कुलपति

विषय सूची Content

पुरोवाक्	03
1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों हेतु दिशा-निर्देश	05-11
2. अध्येताओं के लिए सूचना	12-13
3. राज्य-संयोजक	14-17
4. Guideline for Non-Formal Sanskrit Education Centres	18-24
5. Information for the learners	25-26
6. State-Coordinators	27-30
7. विविध-प्रपत्र (Various Formate)	

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों हेतु दिशा-निर्देश

संस्कृत भाषा भारतीय मनीषा एवं संस्कृति की अनुपम निधि है। संस्कृत का स्वरूप बहुत विशाल एवं व्यापक है। असंख्य भारतीय अपने भारतीय स्वरूप की रक्षा तथा दृढ़ता के लिए संस्कृत पढ़ना चाहते हैं। उन्हें सरलतम प्रक्रिया से संस्कृत भाषा एवं उसमें सन्निहित ज्ञान-विज्ञान का परिज्ञान कराना है। इस महान् उद्देश्य की सङ्कल्पना के साथ समाज के विविध क्षेत्र के संस्कृत जिज्ञासुओं को संस्कृताध्ययन की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा **अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण** का आरम्भ किया गया है।

1. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, संसद के अधिनियम के द्वारा संस्थापित बहुपरिसरीय संस्कृत विश्वविद्यालय है। भारत के विभिन्न राज्यों में इसके अपने 13 परिसर हैं। इसके अतिरिक्त केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की योजना के अधीन 22 आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों, 04 आदर्श संस्कृत शोध संस्थानों तथा अनेकों शैक्षिक संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। अपने स्थापना काल 15 अक्टूबर 1970 से (तत्कालीन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान) अखिल भारत स्तर पर संस्कृत के सर्वांगीण विकास हेतु समर्पित यह विश्वविद्यालय, वेद, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, धर्मशास्त्र, न्याय, वेदान्त, मीमांसा, पुराणेतिहास, साङ्ख्ययोग, जैनदर्शन तथा बौद्धदर्शन में प्राक्शास्त्री (+2), शास्त्री (B.A.), आचार्य (M.A.) तथा विद्यावारिधि (Ph.D.) के छात्रों को यू.जी.सी. के मानक के अनुसार पारम्परिक शिक्षा प्रदान करता है। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से भी कतिपय पाठ्यक्रमों का सञ्चालन करता है। इसके साथ शिक्षाशास्त्री (B.Ed.) एवं शिक्षाचार्य (M.Ed.) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी चलाए जाते हैं। इन पारम्परिक उपाधि पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त विश्वविद्यालय, विभिन्न राज्यों में सञ्चालित अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों के द्वारा जनसामान्य को संस्कृत सिखाता है।

2. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों के पाठ्यक्रमों के नाम

इन केन्द्रों में दो पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। जिनमें प्रथम पाठ्यक्रम का नाम 'संस्कृतभाषा-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रमः' है तथा दूसरे पाठ्यक्रम का नाम 'संस्कृतभाषा-दक्षता-पाठ्यक्रमः' है।

3 पाठ्यक्रम का स्वरूप

- (क) ये अंशकालिक पाठ्यक्रम हैं।
- (ख) इनकी अवधि 15 जुलाई, 2022 से 15 मई 2023 तक है।
- (ग) पाठ्यक्रम
- (i) 'संस्कृतभाषा-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रमः' में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, द्वारा प्रकाशित 'प्रथमा दीक्षा' (First Level) निर्धारित है। इसमें पाँच पुस्तकें - वर्णमाला, वाक्यव्यवहारः, वाक्यविस्तरः, सम्भाषणम् तथा परिशिष्टम् हैं। इनका अध्यापन सरल संस्कृत में कराया जाता है। इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने हेतु न्यूनातिन्यून 120 घण्टे का समय अपेक्षित है।
- (ii) 'संस्कृतभाषा-दक्षता-पाठ्यक्रमः' में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, द्वारा प्रकाशित 'द्वितीया दीक्षा' (Second Level) के प्रारम्भिक चार स्तबक निर्धारित हैं। इसके अन्तर्गत 'व्यवहारप्रदीपः' पुस्तक में सङ्कलित संस्कृत के सुभाषित, कहानियों तथा विभिन्न प्रकार के विशिष्ट अभ्यासों के द्वारा संस्कृत के सामान्य व्याकरण की शिक्षा दी जाती है। इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने हेतु न्यूनातिन्यून 120 घण्टे का समय अपेक्षित है।
- (iii) केन्द्र में अध्यापन हेतु समय सारिणी का निर्धारण अध्येताओं के सुविधानुसार किया जा सकता है।
- (iv) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा पाठ्यसामग्री (प्रथमा दीक्षा तथा द्वितीया दीक्षा) उपलब्ध

कराई जाएगी।

- (घ) यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के द्वारा संचालित संस्कृत/योग/ आयुर्वेद/विविध दूरस्थशिक्षा पाठ्यक्रमों में प्रगत अध्ययन हेतु अपेक्षित प्राथमिक ज्ञान प्रदान करेगा।

4. प्रवेशार्हता

‘संस्कृतभाषा-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम’ में कोई भी संस्कृत का जिज्ञासु प्रवेश ले सकता है। सम्बन्धित संस्था के छात्र, अध्यापक, कर्मचारी तथा अधिकारी के अतिरिक्त अन्य जन-सामान्य भी प्रवेश ले सकते हैं।

‘संस्कृतभाषा-दक्षता-पाठ्यक्रम’ में प्रवेश के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, द्वारा सञ्चालित ‘संस्कृतभाषा-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम’ में उत्तीर्णता आवश्यक है।

5. नामाङ्कन

अध्येता के द्वारा उपर्युक्त प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए आवेदन पत्र तथा नामाङ्कन शुल्क रु. 500/- Online के माध्यम से 'Central Sanskrit University' में जमा करना होगा।

6. छात्र संख्या

प्रत्येक वर्ग (Batch) में 50 अध्येताओं को प्रशिक्षित किया जाना अभीष्ट है। एक संस्था/केन्द्र में एक से अधिक वर्ग चलाए जा सकते हैं।

7. अध्यापन का स्थान

संस्था/केन्द्र के सुविधानुसार परिसर या निकटवर्ती किसी दूसरे स्थान में भी अध्यापन स्थान निश्चित किया जा सकता है।

8. परीक्षा

- (i) पाठ्यक्रम पूर्ण होने के बाद केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के द्वारा परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। मुख्य केन्द्र से सम्बद्ध सभी अध्यापन स्थानों (उपकेन्द्रों) में नामांकित अध्येताओं की परीक्षा मुख्य केन्द्र में ही होगी। परीक्षा में उत्तीर्ण अध्येताओं

को प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे।

- (ii) परीक्षा में अनुत्तीर्ण/अनुपस्थित अध्येता अग्रिम वार्षिक परीक्षा में शुल्क रू.100/- (एक सौ रूपये) के साथ परीक्षा आवेदन पत्र **Online** के माध्यम से भर सकता है। केन्द्र के अधिकारी/शिक्षक के द्वारा परीक्षा शुल्क तथा आवेदन पत्र केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, को प्रेषित किया जाएगा।
- (iii) अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के अध्येताओं को परीक्षा में उत्तीर्णता हेतु नामांकन वर्ष से अधिकतम दो वर्षों तक परीक्षा में प्रवेश हेतु अवसर दिया जाएगा। (यथा- 2022-2023 शैक्षिक सत्र में नामांकित अध्येता 2023 अथवा 2024 की वार्षिक परीक्षा में ही भाग ले सकेंगे)।

9. अध्ययन केन्द्र में अपेक्षित सुविधाएँ

- (i) 50 अध्येताओं के बैठने की व्यवस्था।
- (ii) अध्यापन हेतु संसाधनों यथा कुर्सी, मेज, दृश्य-श्रव्य साधन इत्यादि की व्यवस्था।
- (iii) सभी अध्येताओं के गमनागमन की दृष्टि से अनुकूल स्थान।
- (iv) अध्ययन-अध्यापन हेतु उपर्युक्त वातावरण।

10. संस्था के कर्त्तव्य

- (i) अनौपचारिक संस्कृत शिक्षक के बैठने की व्यवस्था।
- (ii) कक्षाओं के सञ्चालन हेतु समुचित स्थान तथा संसाधन का प्रबन्ध।
- (iii) केन्द्र के प्रचार-प्रसार तथा अध्येताओं को आकृष्ट करने में सहयोग।
- (iv) अध्येताओं को केन्द्र के विषय में अपेक्षित सूचनाएँ देना।
- (v) शिक्षक के सहयोग से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के साथ आवश्यक पत्राचार।

- (vi) पाठ्यक्रम पूर्ण होने के पश्चात् भी केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को केन्द्र से सम्बद्ध अपेक्षित सूचनाएँ उपलब्ध कराना।
- (vii) अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के सुचारु संचालन हेतु किसी एक व्यक्ति को नामित करना जो इस सन्दर्भ में **केन्द्राधिकारी** (Authorised Officer) होगा।
- (viii) केन्द्र से सम्बद्ध वस्तुओं के संरक्षण तथा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा प्रेषित पाठ्यसामग्रियों के वितरण की व्यवस्था।

11. केन्द्राधिकारी के कर्तव्य

- (i) सभी के सहयोग से विभिन्न प्रचार माध्यमों से केन्द्र के प्रचार-प्रसार की व्यवस्था।
- (ii) विभिन्न आयुवर्ग के तथा विविध व्यवसाय के अध्येताओं को संस्कृत के अध्ययन हेतु आकृष्ट करना।
- (iii) शिक्षक के परामर्शानुसार केन्द्र के उद्घाटन, सञ्चालन, परीक्षा, प्रमाणपत्र वितरण एवं अन्य कार्यक्रमों हेतु व्यवस्था।
- (iv) यथा समय केन्द्र की गतिविधियों से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली को अवगत कराते रहना।
- (v) प्रत्येक मास के प्रथम सप्ताह में केन्द्र का मासिक प्रगति विवरण (पूर्व मास का) निर्धारित प्रपत्र में विश्वविद्यालय को प्रेषित करना।

12. अन्य अवधेयांश

- (i) सामान्यतः एक शैक्षिक सत्र के लिए तात्कालिकरूप से संस्था-विशेष में या स्थान-विशेष में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र खोलने की स्वीकृति दी जाती है। किसी भी संस्था को या स्थान को अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण के स्थायी केन्द्र के रूप में परिगणित नहीं किया जाएगा।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र खोलना, अगले सत्रों में केन्द्र का अनुवर्तन करना/न करना, केन्द्र को निरस्त करना इत्यादि विषयों में केन्द्रीय संस्कृत

विश्वविद्यालय, नई दिल्ली का निर्णय अन्तिम होगा।

- (ii) शिक्षक को अपेक्षानुसार एक महीने में एक आकस्मिकावकाश दिया जा सकता है।
- (iii) प्रत्येक शिक्षक का एक मुख्य केन्द्र होगा। मुख्य केन्द्र में अध्येताओं की उपलब्धता के अनुसार शिक्षक दो या तीन कक्षाओं में अध्यापन करेगा। अथवा मुख्य केन्द्र के समीप स्थानीय सहायता से अन्य संस्थाओं/उपकेन्द्रों में शिक्षक अध्यापन करेगा।
- (iv) अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण से सम्बन्धित किसी भी विषय में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलपति का निर्णय सर्वोपरि होगा।

13. केन्द्र का प्रचार

- (i) वैयक्तिक सम्पर्क के द्वारा, समाचारपत्रों में विज्ञापन या प्रेस नोट के द्वारा, स्थानीय केबल के माध्यम से, आकाशवाणी से, बैनर के द्वारा, विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों या अन्य सार्वजनिक स्थलों में लिखित सूचनाओं के द्वारा अथवा इतर माध्यमों से अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र का प्रचार-प्रसार किया जा सकता है।
- (ii) विशिष्ट व्यक्तियों को आमन्त्रित कर केन्द्र की गतिविधियों से परिचय करा सकते हैं।
- (iii) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की गतिविधियों को जानने हेतु www.sanskrit.nic.in का अवलोकन किया जा सकता है।

14. राज्य संयोजक

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र चलाने वाली संस्थाओं के सहयोग के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के द्वारा प्रत्येक राज्य में राज्य संयोजक को मनोनीत किया गया है। (सूची का अवलोकन करें, पृष्ठ

सं-14-17)। केन्द्र के सुचारु संचालन हेतु राज्य संयोजक समय-समय पर केन्द्र का निरीक्षण करेंगे। आवश्यकतानुसार उनसे सम्पर्क किया जा सकता है।

15. राष्ट्रिय संयोजक

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के द्वारा अखिल भारत स्तर पर सञ्चालित अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों से सम्बद्ध समस्त कार्यों का संयोजन राष्ट्रिय संयोजक के द्वारा किया जाता है। इस निमित्त सभी पत्राचार 'राष्ट्रिय संयोजक, अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, 56-57, इन्स्टीट्यूशनल् एरिया, जनकपुरी नवदेहली-110058 (E-mail – nfse@csu.co.in) पर किया जा सकता है।



अध्येताओं के लिए सूचना

- **अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण**
 - ☞ संस्कृत भाषा वैज्ञानिकी भाषा है। संस्कृत वाङ्मय में कृषि, कला, साहित्य, विज्ञान, दर्शन, प्रबन्धन, तकनीक, आयुर्वेद, विधि आदि का मौलिक ज्ञान निहित है।
 - ☞ अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण के द्वारा सरलता से इस विशिष्ट वाङ्मय में प्रवेश कर सकते हैं।
- **लक्ष्य**
 - ☞ संस्कृत के अध्ययन का शुभारम्भ।
 - ☞ संस्कृत में निहित विज्ञान एवं साहित्य का परिचय प्राप्त करना।
 - ☞ विश्व में वैज्ञानिक भाषा के रूप में प्रख्यात संस्कृत का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करना।
- **शिक्षणविधि**
 - ☞ प्रत्यक्ष (Communicative) पद्धति।
- **पाठ्यक्रम की अवधि**
 - ☞ 15 जुलाई, 2022 से 15 मई, 2023 तक।
- **प्रवेशार्हता**
 - ☞ कोई भी संस्कृत का जिज्ञासु 'संस्कृतभाषा-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम' में प्रवेश ले सकता है।
 - ☞ 'संस्कृतभाषा-दक्षता-पाठ्यक्रम' में प्रवेश हेतु 'संस्कृतभाषा प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम' में उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

- **पाठ्यक्रमों के नाम**
 - ☞ संस्कृतभाषा-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रमः।
 - ☞ संस्कृतभाषा-दक्षता-पाठ्यक्रमः।
- **पाठ्यक्रम का स्वरूप**
 - ☞ ये अंशकालिक पाठ्यक्रम हैं।
- **नामाङ्कन शुल्क**
 - ☞ रु. 500/- (रु. पाँच सौ मात्र) प्रति पाठ्यक्रम।
- **आवेदन कैसे करें**
 - ☞ आपकी संस्था में उपलब्ध आवेदन पत्र को भर कर नामाङ्कन शुल्क रु. 500/- के साथ केन्द्र के अधिकृत अधिकारी/शिक्षक के पास जमा करें।
- **पाठ्यसामग्री**
 - ☞ केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के द्वारा पाठ्यसामग्री (प्रथमा दीक्षा एवं द्वितीया दीक्षा) उपलब्ध कराई जाएगी।
- **कक्षा का समय**
 - ☞ अध्येताओं की सुविधानुसार संस्था के द्वारा कक्षा की समय सारिणी निर्धारित की जाएगी।
- **परीक्षा**
 - ☞ पाठ्यक्रम पूर्ण होने के बाद केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के द्वारा परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। परीक्षा में उत्तीर्ण अध्येताओं को प्रमाणपत्र दिए जाएंगे। यह पाठ्यक्रम केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा संचालित संस्कृत/योग/आयुर्वेद/विविध दूरस्थशिक्षा पाठ्यक्रमों में प्रगत अध्ययन हेतु अपेक्षित प्राथमिक ज्ञान प्रदान करेगा।



**अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों के
राज्य-संयोजक**

क्र.सं.	राज्य	संयोजक का नाम एवं पता
1.	आन्ध्रप्रदेश	डॉ. यू. वेंकटरमणमूर्ति, प्रवक्ता (संस्कृत) सत्यनारायणपुरम्, विजयवाड़ा-520011 (आन्ध्रप्रदेश), दूरभाषा-09848444906 E-mail-uramanamurthy@yahoo.in
2.	बिहार	प्रो. श्रीप्रकाश पाण्डेय, संस्कृतविभाग, बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, क्वा. नं. 23, विश्वविद्यालय परिसर, मुजफ्फरपुर-842001 (बिहार), दूरभाषा-08051696738, 08987073006 E-mail-drshriprakashpandey@gmail.com
3.	जम्मू एवं कश्मीर	प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री, भूतपूर्व प्राचार्य, 3/127, इन्दिरा विहार, ओल्ड जानीपुर, जम्मू जम्मू- कश्मीर-180007, दूरभाषा-09419138606 E-mail-profvmshastri@gmail.com
4.	दिल्ली	डॉ. कीर्तिकान्त शर्मा, कलानिधिविभाग, पाण्डुलिपि ईकाई, इन्दिरा गान्धी राष्ट्रिय कला केन्द्र, जनपथ- नई दिल्ली-01, दूरभाषा-09868589976, 09868652077 E-mail-kirtikantsharma2@gmail.com
5.	गोवा	श्री आनन्द देसाई, कृष्णाई, मकान न. 214, देमानी, कन्सोलिम, सलसिट, गोवा-403507, दूरभाषा-09850135236

6. गुजरात डॉ. भा.वं. रामप्रिय, प्राचार्य, दर्शनम् संस्कृत महा-
विद्यालय, एस्.जी.वी.पी. सर्किल, ए. जी. हाईवे,
छारोडी, पो. चान्द्लोदिया, अहमदाबाद-3284818
(गुजरात),
दूरभाषा-09825130768
E-mail-priyabv2@yahoo.com
7. हरियाणा प्रो. सुरेन्द्र मोहन मिश्र, संस्कृत विभाग, कुरुक्षेत्र
विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र-136119 (हरियाणा),
दूरभाषा-09896086579
E-mail-drsmmishra@gmail.com
8. हिमाचल प्रदेश प्रो. लक्ष्मीनिवास पाण्डेय, निदेशक
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री वेद व्यास
परिसर, जिला - कांगडा, हिमाचल प्रदेश-177108
9. छत्तीसगढ़ डा. वैभव वसन्त कान्हे
10. झारखण्ड डा. ताराकान्त शुक्ल, अध्यक्ष, संस्कृतविभाग,
विनोवाभावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग, झारखण्ड,
दूरभाषा-09431993914
E-mail-tarakantshukla@yahoo.com
11. कर्णाटक श्री कू. वेंकटेशमूर्ति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
राजीव गान्धी परिसर, जिला-चिकमंगलूर, कर्णाटक-
शृंगेरी
Email-kuvemoorthy@gmail.com
12. केरल डा. के गिरिधर, सहायकाचार्य शिक्षाशास्त्र, केन्द्रीय
संस्कृत विश्वविद्यालय, गुरूवायूर परिसर, पो.
-पुरनाटुक्करा, त्रिचूर, केरल-680551
13. महाराष्ट्र प्रो. रवीन्द्र अम्बादास मुले, संस्कृतप्रगतअध्ययनकेन्द्रम्,
पुणेविद्यापीठ, गणेशखिन्ड पुणे-411005,
(महाराष्ट्र),
दूरभाषा-09860941006
E-mail-ravindra.muley@gmail.com

14. मध्यप्रदेश डा. श्रीगोविन्द पाण्डेय
राष्ट्रीयसंस्कृतसंस्थानम् (मा.वि.) भोपाल परिसर,
संस्कृतमार्ग, बागसेवनिया, भोपाल-462043
(मध्यप्रदेश)
दूरभाषा-8435000797
E-mail-shrigovindapandey68@gmail.com
15. पूर्वोत्तर राज्य डा. रणजित तिवारी, एसोसिएट प्रोफेसर, डिपार्टमेंट
आफ ट्रेडिशनल संस्कृत, कुमार भास्कर वर्मा,
संस्कृत एंड एनसिएट स्टडिज यूनिवर्सिटी, नलबारी,
असम-781337
16. उड़ीसा प्रो. हरे कृष्ण महापात्र, श्री सदाशिव परिसर,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी, ओडिसा.
17. पंजाब प्रो. हर्ष कुमार मेहता
11, एस, टी-5, सेक्टर - 1, तलवाड़ा टाउनशिप,
जिला - होशियारपुर, पंजाब-144216
18. राजस्थान प्रो. वाई.एस्.रमेश, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान
(मा. वि.), जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा,
बाईपास, जयपुर-302018 राजस्थान,
दूरभाषा-09468843973
E-mail-ysrhrk@gmail.com
19. तमिलनाडु डा. आर.रामचन्द्रन, संस्कृत विभाग
रामकृष्ण मिशन, विवेकानन्द कॉलेज, मैलापुर,
चेन्नई-04, तमिलनाडु
दूरभाषा-09444079958
E-mail-ramachandra59@yahoo.co.in
20. तेलङ्गाना डॉ. वी. सुब्रह्मण्यम्, उपनिदेशक, संस्कृतपरिषद्,
उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदाराबाद, (आन्ध्रप्रदेश),
दूरभाषा-09848094890
E-mail-vasantosh79@gmail.com

21. उत्तराखण्ड डॉ. हरीशचन्द्र गुरुराणी, उत्तराखण्ड संस्कृत एकेडमी, रानीपुर झाल, ज्वालापुर, हरिद्वार, उत्तराखण्ड, दूरभाषा-09837149064
E-mail-dr.hgururani.usa@gmail.com
22. उत्तर प्रदेश प्रो. गोपबन्धु मिश्र, संस्कृत विभाग, कला संकाय, बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश-221005
E-mail-gopabandhuh@gmail.com
23. पश्चिम बंगाल डॉ. दीपा बन्दोपाध्याय, संस्कृत विभाग, आसुतोष कॉलेज पश्चिम बंगाल - 700026
दूरभाषा-
E-mail-dbanerjee557@gmail.com



Guideline for Non-Formal Sanskrit Education Centres

Sanskrit language is the unparalleled treasure of Indian wisdom and culture. The resources preserved in this language are vast and manifold. A large number of Indians desire to learn Sanskrit in order to preserve and project original Indianness. It is essential to fulfil their desire by providing the knowledge of Sanskrit language through the simplest possible method and to make them aware of the knowledge well treasured in Sanskrit. In order to execute this ideal and essential objectives by providing the opportunity and facility to those who are desirous to learn Sanskrit, Rashtriya Sanskrit Sansthan has introduced Non-Formal Sanskrit Education.

1. Central Sanskrit University

The Central Sanskrit University, established by an Act of Parliament. Which is having multi-campus across the country. It has 13 constituent campuses in various states. Besides it, the Central Sanskrit University provides financial assistance to 22 Adarsh Sanskrit Mahavidyalays, 04 Adarsh Sanskrit Shodh Sansthans and many educational institutions under the scheme of Ministry of Human Resource Development, Govt. of India. Since its inception on 15th October, 1970, the Central Sanskrit University (former RSKS) is devoted to the overall development of Sanskrit at all India level by imparting education to the students of Prakshastri (12th), Shastri (B.A.), Acharya (M.A.) and Vidyavardhi (Ph.D.) in Veda, Vyakarana, Sahitya, Jyotisha, Dharmashastra, Nyaya, Vedanta, Mimamsa, Puranetihasa, Sankhy-yoga, Jain Darshan and Bauddha Darshan traditional stream by maintaining UGC standards. It also conducts various programme through Distance Education.

In addition, the Central Sanskrit University undertakes training courses of Shiksha Shastri (B.Ed.) and Shiksha Acharya (M.Ed.). Apart

from these traditional degree courses, the Central Sanskrit University undertakes Sanskrit learning programme to the public at large scale through Non-Formal Sanskrit Education Centres functioning in different states.

2. Name of Courses of studies of Non-Formal Sanskrit Education Centres

There will be two courses of studies in these centres. **First** is called "Certificate Course in Sanskrit Language " and **Second** is "Diploma in Sanskrit Language ."

3. Nature of Course of Studies

- (a) It is a part-time course.
- (b) Duration of the course is from 15 July, 2022 to 15 May, 2023.
- (c) Course of Studies
 - (i) Prathama Diksha (First Level) Published by the Central Sanskrit University - Under it, five books Varnamala (वर्णमाला), Vakya-vyavaharah (वाक्यव्यवहारः), Vakyavistarah (वाक्यविस्तरः) Sambhashanam (सम्भाषणम्) and Parishishtam (परिशिष्टम्) are taught in simple Sanskrit. A minimum period of 120 hours is required to complete the course.
 - (ii) First 4 Stabakas of Dvitiya Diksha (Second Level) published by the Central Sanskrit University -Through Sanskrit Subhashitas, stories and different types of special exercises compiled in Vyavahara-pradeepah (व्यवहारप्रदीपः), simple Sanskrit grammar is taught. A minimum period of 120 hours is required for this course.

- (iii) Time table of teaching at the Centre may be decided as per convenience of the students.
- (iv) Reading material (First Level and Second Level) will be provided by the Central Sanskrit University, New Delhi.
- (d) This Course will provide basic knowledge for higher studies in Sanskrit/Yoga/Ayurveda/various Distance Education Programmes of Central Sanskrit University.

4. Eligibility for Admission

Any person desirous of Sanskrit learning is eligible for admission to "Certificate Course in Sanskrit Language". In addition to the students, teachers, employees and officers of the concerned institution, admission is also open for general public.

Only who have passed the **First** Course "Certificate Course in Sanskrit Language" conducted by the Central Sanskrit University will be eligible for admission in the **Second** Course naming "Diploma in Sanskrit Language".

5. Enrolment

Learners are required to submit their application form and should deposit Rs.500/- (Five Hundred Rupees Only) as Enrolment fee for each Course in Central Sanskrit University, New Delhi (A/C No - 10469781338, IFSC - SBIN0000733, Bank Name - SBI Delhi Cantonment, Delhi) through Online.

6. Number of Learners

Ideal number of learners in each batch may be 50. More than one batch may be conducted at one Institution/Centre.

7. Place of Study

The place of study may be within the campus of the Institution/Centre at any nearby place according to the convenience.

8. Examination

(i) The examination will be conducted by Central Sanskrit University, New Delhi at the end of the courses. The examination of all the Enrolled Learners of all the study Centres related with the main Centre will be held in the Main Centre Only. The certificates will be given to the successful learners.

(ii) Learners who will become unsuccessful or will remain absent in the examination may deposit the examination form along with an examination fee of Rs. 100/- to appear in the next year's Annual Examination through Online. The Authorised Officer/Teacher of the Centre will send the amount along with the examination form to the Central Sanskrit University.

(iii) The learners of the Non-Formal Sanskrit Education Centres will be given two chances to pass the examination in two consecutive years only, starting from the Academic year of enrolment, e.g. the learner enrolled in the Academic year 2022-23 will be entitled only to appear in the Annual Examinations in 2023 or 2024.

9. Required facilities at study centre

- (i) Sitting facility for 50 learners.
- (ii) Arrangement of material for teaching like chairs, tables, white-board/ black-board, audio-visual etc.
- (iii) The place should be within easy reach of all learners.
- (iv) It should have a suitable atmosphere for teaching and learning.

10. Duties of the Institution

- (i) Providing sitting facility to the Teacher of Centre.
- (ii) Providing sufficient place and facilities for conducting the classes.
- (iii) Helping in advertising the course and the Centre in common people and it will extend its help to collect the learners. Co-operation in propagation of the Study Centre and attracting the learners.

- (iv) Providing required information to the learners about the Centre.
- (v) Necessary correspondence with Central Sanskrit University, New Delhi in association with the Teacher.
- (vi) Providing desirable information related to the Centre to Central Sanskrit University even after completion of the course.
- (vii) Nominating a person as an Authorised Officer for smooth functioning of Non Formal Sanskrit Education Centre.
- (viii) Arrangement for preservation of material concerning the Centre and distribution of reading material supplied by the Central Sanskrit University.

11. Duties of Authorised Officer

- (i) Arrangement for publicity of the Centre through different media with co-operation of all.
- (ii) Attracting learners of different age group and various professions for learning Sanskrit.
- (iii) Arrangement for inauguration of the Centre, its functioning, conducting examination, distribution of Certificates and other activities in consultation with the Teacher.
- (iv) Informing the Central Sanskrit University, New Delhi about activities of the Centre from time to time.
- (v) Sending the monthly progress report (previous month) of the Centre to the Central Sanskrit University in the prescribed proforma in the first week of every month.

12. Other notable matters

- (i) Normally, the Non-Formal Sanskrit Education Centre is permitted to one academic session in any Institution or at any place for the time being. No Institution or place will

be treated as a permanent Centre of Non-Formal Sanskrit Education.

The decision of Central Sanskrit University will be final in the matters regarding opening of Non Formal Sanskrit Education Centre, its continuation/ discontinuation or cancellation of the Centre.

- (ii) One casual leave in a month will be permissible to the Teacher as per requirement.
- (iii) There will be one main Centre of a Teacher. On availability of more learners at main Centre the Teacher will teach two/three additional classes or the Teacher will teach in other Institution/sub Centres nearby the main Centre with local assistance.
- (iv) In any matter concerning the Non Formal Sanskrit Education, the decision of the Vice-Chancellor, Central Sanskrit University, New Delhi shall be final.

13. Publicity of the Centre

- (i) Non-Formal Sanskrit Education Centres may be brought to light through personal contacts, local cable, Akashvani, Banners, information in writing in Schools, Colleges, Universities, other public places or through other modes.
- (ii) Distinguished personalities may be invited to introduce the activities of the Centre.
- (iii) For information of activities of The Central Sanskrit University, New Delhi, its website www.sanskrit.nic.in may be consulted.

14. State Co-ordinator

State Co-ordinators in each State have been nominated by Central Sanskrit University, New Delhi in order to help smooth functioning of Non-Formal Sanskrit Education Centres. (List may be seen at page no. 27-31). State-co-ordinator will visit and inspect the Centres for

their smooth running. Necessary contact and correspondence may be done with them accordingly.

15. National Co-ordinator

All sorts of works related to the Non-Formal Sanskrit Education Centres all over India are co-ordinated by the National Co-ordinator. Any correspondence regarding this may be done at the address – ‘National Co-ordinator, Non-Formal Sanskrit Education Central Sanskrit University, 56-57, Institutional Area, Janakpuri, New Delhi 110058 (Email Id – nfse@csu.co.in).



Information for the Learners

➤ **Non Formal Sanskrit Education**

- ☞ Sanskrit is a Scientific Language. There are so many treatises related to Agriculture, Arts, Literature, Science, Philosophy, Management, Technology, Ayurveda, Law etc. are well preserved in Sanskrit.
- ☞ One can access the scientific knowledge inherited in Sanskrit literature by learning the language through direct communicative method at Non Formal Sanskrit Education Centre.

➤ **Aim**

- ☞ To initiate Sanskrit learning.
- ☞ To introduce the Science and literature in Sanskrit language.
- ☞ To get a working knowledge in illustrious Sanskrit, the Scientific Language of the world.

➤ **Method of Teaching**

- ☞ Communicative method.

➤ **Duration of the Course:**

- ☞ From 15 July, 2022 to 15 May, 2023.

➤ **Eligibility for Admission**

- ☞ Any person desirous of Sanskrit learning is eligible for admission to the "Certificate Course in Sanskrit Language".
- ☞ Who have passed the First Course "Certificate Course in Sanskrit Language" conducted by the Central Sanskrit University will be eligible for admission in the Second Course naming "Diploma in Sanskrit Language".

- **Name of Courses**
 - ☞ "Certificate Course in Sanskrit Language".
 - ☞ "Diploma in Sanskrit Language".
- **Nature of Course**
 - ☞ It is a Part-time course.
- **Enrolment Fee**
 - ☞ Rs. 500/- (Rupees five hundred only) for each Course.
- **How To Apply**
 - ☞ Submit the filled in application at the Centre. Enrolment fee may be deposited with the Authorised Officer/Teacher of the Centre.
- **Study Material**
 - ☞ Study material will be provided by Central Sanskrit University. This will include First and Second Level (प्रथमा दीक्षा, द्वितीया दीक्षा) books.
- **Time of Classes**
 - ☞ The time table for classes will be decided by the Institution as per convenience of the learners.
- **Examination**
 - ☞ Examination will be conducted by Central Sanskrit University, New Delhi on completion of the course. The Certificate will be issued to learners passed in the examination. This course will provide basic knowledge for higher studies in Sanskrit/Yoga/ Ayurveda/various Distance Education programmes of Central Sanskrit University.



State Co-ordinators

S.No.	States	Name and Address of Coordinator
1.	Andhra Pradesh	Dr. U. Venkatramana Murthy Lecturer in Sanskrit 23-23-30, Siva Rao Street Satyanarayana Puram, Vijaywada -520011 Andhra Pradesh Mob.no.- 09848444906 E-mail–uramanamurthy@yahoo.in
2.	Bihar	Prof. Shree Prakash Pandey Q.No. -23, University Campus, B.R. Ambedkar University, Muzaffarpur -842001 (Bihar) Mob.no.-08051696738, 08987073006 E-mail– drshriprakashpandey@gmail.com
3.	Jammu & Kashmir	Prof. Vishwamurthy Shastri, Ex-Principal, 3/127, Indra Vihar, Old Janipur, Jammu- 180007 Mob.no.-09419138606 E-mail–profvmshastri@gmail.com
4.	Delhi	Dr. Kirtikant Sharma Kala Nidhi Vibhag, Indira Gandhi National Center for the Art, Janpath, New Delhi-01. Mob.no.-09868589976, 09868652077 E-mail–kirtikantsharma2@gmail.com
5.	Goa	Sh. Anand Desai Krushnaee, House No. - 214, Demani, Cuncolim, Salcete - 403703 Goa Mob.no.-09850135236

6. Gujarat Dr . B.V. Ramapriya
Principal 'Darshanam' Sanskrit
Mahavidyalaya, Shree Swaminarayan
Gurukul Vishvavidyalaya Pratishtana
(SGVP) SGVP Circle, S.G.
Highway, Chharodi, Ahmedabad - 382
481 (Gujarat)
Mob.no.-09825130768
E-mail-priyabv2@yahoo.com
7. Haryana Prof. Dr. Surendra Mohan Mishra
Deptt. of Sanskrit, Kurukshetra
University, Kurukshetra - 136 119
(Haryana)
Mob.no-09896086579
E-mail-drsmmishra@gmail.com
8. Himachal Pradesh Prof. Laxmi Niwas Pandey, Director
Central Sanskrit University, Shri
Vedvyas Campus, Dist-Kangra,
Himachal Pradesh-177108
9. Chattisgarh Dr. Vaibhav Vasant Kanhe
10. Jharkhand Dr. Tarakant Shukla
HOD Department of Sanskrit, Vinova
Bhave Vishwa- vidyalaya Hazari
Bhag, Jharkhand.
Mob.no.-09431993914
E-mail-tarakantshukla@yahoo.com
11. Karnataka Shri K. Venkatesh Murty
Central Sanskrit University, Rajiv
Gandhi Campus, Karnataka, Sringeri

12. Kerala Dr. K. Giridhar, Assistant Professor Education, Central Sanskrit University, Guruvayur Campus, PO-Puranattukara 680 551 Dist. – Trichur, (Kerala)
13. Maharashtra Prof. Ravindra Ambadasmule Sanskrit Pragat Adhyayan Kendra University of Pune, Ganesh Khind Road, Pune – 411037 (Maharashtra) Mob.no.-09860941006 E-mail–ravindra.muley@gmail.com
14. Madhya Pradesh Dr. Shree Govind Pandey Central Sanskrit University, Bhopal Campus, Sanskrit marg, Baghsawnia, Bhopal – 462 016 (M.P.) Mob.no.- 8435000797 Mail-shrigovindapandey68@gmail.com
15. North East Dr. Ranjit Tiwari, Associate Professor Dept. of Traditional Sanskrit, Nalbari, Assam-781337
16. Orissa Prof. Harekrishna Mahapatra Central Sanskrit University, Shri Sadashiv Campus, Puri, Odisha
17. Punjab Prof. Harsh Kumar Mehta 11, S, T-5, Sec-1, Dist-Hoshiyarpur, Punjab-144216
18. Rajasthan Prof. Y.S.Ramesh Central Sanskrit University, Jaipur Campus, Trivani Nagar, Gopalpura, Bypass, Jaipur-302 018 Rajasthan. Mob.no.-09468843973 E-mail–ysrhrk@gmail.com

19. Tamilnadu
Dr. R. Ramchandran,
Department of Sanskrit,
Ramkrishna-mission Vivekanand
College, Maillapur, Chennai-04,
Tamilnadu
Mob-09444079958
Email-ramachandra59@yahoo.co.in
20. Telangana
Dr. V. Subramanyam
Dy. Director, Sanskritparishad,
Osmania University, Hyderabad
(Andhra Pradesh)
Mob-09848094890
Email-vasantosh79@gmail.com
21. Uttrakhand
Dr. Harish Chandra Gururani
Uttarakhand Sanskrit Academy,
Ranipur Jhal, Jwalapur, Haridwar-
249407, Uttarakhand
Mob-09837149064
Email-dr. hgururani.usa@gmail.com
22. Uttar Pradesh
Prof. Gopbandhu Mishra, Dept. of
Sanskrit, Banaras Hindu University,
Varanasi, Uttar Pradesh-221005
Email-gopabandhuh@gmail.com
23. West Bengal
Dr. Deepa Bandopadhyay
Dept. of Sanskrit
Asutosh College, Kolkata-700026,
West Bengal
Email-dbanerjee557@gmail.com